चीनी की कीमतों के साथ शेयरों में भी रहेगी तेजी

आर.एस. राणा • नई दिल्ली

शुगर कंपनियों के शेयरों में निवेश करने पर निवेशकों को बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना है। पहली अक्टूबर से शुरू होने वाले नए पेराई सीजन में चीनी का उत्पादन पिछले साल की तुलना में करीब 22 लाख टन कम होने का अनुमान है। जबकि सितंबर महीने में हुई बारिश से गन्ने का नया पेराई सीजन एक महीने की देरी से शुरू होने की संभावना है। वैसे भी त्योहारी सीजन शुरू होने के कारण चीनी की मांग पहले की तुलना में बढ़ेगी। इसीलिए मौजूदा कीमतों में अभी मंदे की संभावना नहीं है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के कार्यकारी निदेशक अबिनाश वर्मा ने बिजनेस भास्कर को बताया कि पेराई सीजन 2012-13 (अक्टूबर से सितंबर) के दौरान चीनी का उत्पादन 240 लाख टन होने का अनुमान है जो चालू पेराई सीजन के 262 लाख टन से 22 लाख टन कम है। देश में चीनी की सालाना खपत 225 लाख टन होने का अनुमान है। मांग और उत्पादन में ज्यादा अंतर नहीं होने के कारण कंपनियों पर चीनी बेचने का अतिरिक्त दबाव नहीं रहेगा जिससे मौजूदा कीमतों में भारी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि विश्व बाजार में चीनी की उपलब्धता मांग के मुकाबले ज्यादा रहेगी जिसका असर निर्यात पर पड़ सकता है।

जियोजित बीएनपी पारिबा फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड एलेक्स मैथ्यूज ने बताया कि चीनी उद्योग को नियंत्रण मुक्त करने पर रंगराजन कमेटी की रिपोर्ट जल्द आने वाली है। साथ ही आगामी दिनों में त्योहारी सीजन शुरू होगा जिससे चीनी की मांग बढ़ने से कीमतों में तेजी बनी रह सकती है। ऐसे में निवेशकों के लिए शुगर कंपनियों के शेयरों में निवेश करने का एक बेहतर मौका है। श्रीरेणुका शुगर कंपनी के शेयरों में 18 सितंबर को 6 फीसदी की तेजी रही और ये 35.35 रुपये पर बंद हुए। धामपुर शुगर मिल्स के शेयर 4.95 फीसदी की तेजी के साथ 71.05 रुपये, बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयर 2.24 फीसदी तेजी के साथ 68.60 रुपये और बजाज हिंदुस्तान के शेयर 4.46 फीसदी तेजी के साथ 31.45 रुपये पर पहुंच गए।

चीनी के थोक कारोबारी सुधीर भालोटिया ने बताया कि दिल्ली में चीनी के भाव 3,850-3,900 रुपये, उत्तर प्रदेश में एक्स फैक्ट्री भाव 3,700-3,750 रुपये और महाराष्ट्र में 3,550 रुपये प्रति क्विंटल चल रहे हैं। सितंबर महीने में हुई बारिश से नया पेराई सीजन अक्टूबर के बजाय नवंबर में शुरू हो पायेगा। जबकि महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट की संभावना है। इसलिए चीनी की मौजूदा कीमतों में मजबूती बनी रहेगी। नए पेराई सीजन में महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन पिछले साल के 90 लाख टन से घटकर 65 लाख टन और कर्नाटक में 38 लाख टन से घटकर 30 लाख टन होने की आशंका है।

कीमत का रुख

- पेराई सीजन 2012-13 में उत्पादन 240 लाख टन होने का अनुमान
- यह चालू पेराई सीजन के 262 लाख टन से 22 लाख टन कम
- देश में चीनी की सालाना खपत 225 लाख टन होने का अनुमान
- मांग-उत्पादन में अंतर कम, इससे कंपनियों पर अतिरिक्त दबाव नहीं
- इस वजह से मौजूदा कीमतों में भारी गिरावट की संभावना नहीं

पहली तिमाही में कैसी रही मिठास

कंपनी	राजस्व	शुद्ध लाभ
श्रीरेणुका शुगर्स	1,484	13.3
धामपुर शुगर मिल्स	363	6.42
बलरामपुर चीनी मिल्स	692	-18.05
बजाज हिंदुस्तान	1,343	-76.52

(राशि करोड़ रुपये में)